will be met out of the proceeds from sale of surplus lands and assets. The plan will be implemented after approval by BIFR. Meanwhile to avoid hardship to the workers, Government are meeting the shortfall faced by NTC in payment of wages/salaries to workers/employees of NTC.

Statement

States	No. of Idle Workers	Idle Wages Paid/month (R in lakhs)
Delhi	737	26.00
Rajasthan	1586	53.00
Punjab	999	30.00
Madhya Pradesh	6011	218.38
Uttar Pradesh	11004	310.97
Maharashtra	24011	912.72
Gujarat	7906	259.99
Andhra Pradesh	2287	54.78
Karnataka	3797	111.69
West Bengal	4964	110.90
Assam	390	9.00
Orissa	465	11.00
Bihar	742	18.50

हथियारों के उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता

380. श्री अजीत जोगी:
श्री एस॰ एस॰ सुरजेवाला:

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा टैंकों, युद्धक विमानों, बमवर्षक विमानों, धरती से धरती तक मार करने वाली तोपों आदि जैसे हथियारों के उत्पादन के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अब तक क्या प्रयास किए गए हैं;

(ख) सरकार को इन प्रयासों में कितनी सफलता मिली है;

(ग) इस संबंध में सरकार के समक्ष आ रही समस्याओं का ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा इन समस्याओं को दूर करने के लिए क्या प्रयास किए गए हैं अथवा किए जा रहे हैं?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एन॰ वी॰ एन॰ सोमू): (क) इन क्षेत्रों में देश को आत्म-निर्भर बनाने के लिए सरकार ने मुख्य युद्धक टैंक "अर्जुन", बहु-प्रयोजनीय हल्के लड़ाकू वायुयान (एल सी ए) और आर्टिलरी गनों को विकसित करने और इनके उत्पादन करने का कार्यक्रम शुरू किया है।

(ख) विस्तृत प्रयोक्ता परीक्षण करने के बाद सेना ने देश में ही विकसित अर्जुन टैंक का बड़े पैमाने पर उत्पादन करने की स्वीकृति दे दी है। प्रथम स्वदेशी हल्का लड़ाकू वायुयान 1 नवम्बर, 1995 में तैयार कर लिया गया है। हल्के युद्धक वायुयान का प्रथम उड़ान परीक्षण मार्च, 1997 में किए जाने और 2003 तक उसे वायुसेना में शामिल किए जाने की योजना है। 75/24 पैक हॉवित्ज़र, 105 मि॰मी॰ भारतीय फील्ड गन, 105 मि॰मी॰ हल्की फील्ड गन, 130 मि॰मी॰ स्वप्रणोदित गन जैसी आर्टिलरी गन प्रणालियों का विकास व निर्माण करके उन्हें सेना में शामिल कर लिया गया है। 155 मि॰मी॰ स्वप्रणोदित गन के विकास के लिए व्यवहार्यता अध्ययन पूरे कर लिए गए हैं

(ग) विभिन्न प्रतिबंधों के कारण विदेशों से कतिपय इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियां और उपकरण प्राप्त करने में कठिनाइयां महसूस की गईं।

(घ) ऐसे महत्वपूर्ण उपकरणों/संघटकों को विकसित करने के लिए विभिन्न स्थापनाओं एवं उद्योगों के साथ मिलकर एक कार्यक्रम शुरू किया गया है।

Pakistan's failure to woo the Islamic States on Kashmir Issue

381. SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE:
SHRIMATI VEENA VERMA:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Pakistan has again failed to sell its religious card abroad and sec-. ure the support of Islamic States to move a resolution on Kashmir in the 52nd Session of the UN Human Rights Commission in Geneva;

(b) if so, the precise move by Pakistan and that by the Indian representatives to that Session to counter the Pak move; and

(c) the response of the Commission and that of the various developed and developing States thereto?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI I. K. GUJRAL): (a) Pakistan did not move a resolution of Kashmir at the 52nd session of the